पीएम मोदी की अपील के बाद सीएम मोहन यादव ने घटाया काफिला, कम हुई गाड़ियों की संख्या

सच प्रतिनिधि.भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन बचाने और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग की अपील के बाद, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक अनुकरणीय कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने राज्य में एक नई कार्य संस्कृति की शुरुआत करते हुए अपने कारकेड (काफिले) में सुरक्षा की दृष्टि से केवल न्यूनतम आवश्यक वाहनों को ही शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब उनके दौरों के दौरान किसी भी प्रकार की अनावश्यक वाहन रैली या लंबा काफिला नजर नहीं आएगा, जिससे न केवल ईंधन की बचत होगी बल्कि आम जनता को होने वाली असुविधा भी कम होगी।

काफिले में कटौती: अब 13 के बजाय केवल 8 वाहन होंगे साथ- मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए उनके काफिले से 5 वाहनों को कम कर दिया गया है। पहले सीएम के साथ 13 गाड़ियां चलती थीं, लेकिन अब उनकी संख्या घटाकर 8 कर दी गई है। इन 8 वाहनों में मुख्यमंत्री के लिए आरक्षित तीन फॉर्च्यूनर गाड़ियां, गार्ड गाड़ी, फॉलो वाहन और प्रेस प्रकोष्ठ की गाड़ी शामिल रहेगी। सुरक्षा का जिम्मा पहले की तरह ही स्पेशल सिक्योरिटी ऑफिसर, डीएसपी, इंस्पेक्टर और एसटीएफ के जवानों के पास रहेगा, लेकिन वाहनों की संख्या सीमित कर सादगी का संदेश दिया गया है।

मंत्रियों और पदाधिकारियों के लिए जारी हुए सादगी के निर्देश- मुख्यमंत्री ने न केवल स्वयं के लिए यह बदलाव किया है, बल्कि अपनी कैबिनेट के सभी मंत्रियों को भी यात्रा के दौरान न्यूनतम वाहनों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, हाल ही में नियुक्त किए गए निगम-मंडल के पदाधिकारियों से भी यह आग्रह किया गया है कि वे अपना कार्यभार पूरी सादगी के साथ ग्रहण करें और किसी भी प्रकार का शक्ति प्रदर्शन या भव्य काफिला निकालने से बचें। सरकार की कोशिश है कि सत्ता के गलियारों में फिजूलखर्ची को रोककर एक जिम्मेदार प्रशासन की छवि पेश की जाए।

राष्ट्रहत सर्वोपरि: आम जनता से सार्वजनिक परिवहन अपनाने का आग्रह- डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश की जनता से भी भावुक अपील करते हुए सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करने को कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से साझा किए अपने संदेश में लिखा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और हर नागरिक को ईंधन की बचत कर देश की उन्नति में योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री की इस पहल को प्रशासनिक सुधार और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिससे भविष्य में ईंधन खपत में कमी और यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है।

नीट परीक्षा रद्द होने पर कांग्रेस का तंज

डिग्री नहीं, सिस्टम हो रहा लीक: विभा पटेल

भोपाल। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द किए जाने को देश की शिक्षा व्यवस्था की बड़ी विफलता बताते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में अब परीक्षाएं कम और पेपर लीक महोत्सव ज्यादा आयोजित हो रहे हैं।श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार न्यू इंडिया का सपना दिखा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि युवाओं को रोजगार और अवसरों के बजाय पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र महीनों तक कठिन परिश्रम करते हैं, परिवार करोड़ों रुपए कोचिंग और तैयारी पर खर्च करते हैं, लेकिन अंत में उनकी मेहनत को मजाक बनाकर रख दिया जाता है।

उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि भाजपा शासन में छात्र अब पढ़ाई से ज्यादा इस चिंता में रहते हैं कि पेपर पहले लीक होगा या परीक्षा बाद में रद्द होगी। उन्होंने इसे केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था के साथ संगठित खिलवाड़ करार दिया।

श्रीमती विभा पटेल ने आरोप लगाया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की विश्वसनीयता लगातार सवालों के घेरे में है। यदि एक-दो बार गड़बड़ी होती तो उसे लापरवाही माना जा सकता था, लेकिन बार-बार सामने आ रही घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि व्यवस्था भीतर तक भ्रष्टाचार और मिलीभगत से प्रभावित हो चुकी है।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि लगभग 22 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है, लेकिन सत्ता में बैठे भाजपाइयों को इसकी कोई चिंता नहीं है। जो भाजपा सरकार एक परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं करा सकती, वह देश के भविष्य की जिम्मेदारी कैसे संभालेगी?

श्रीमती विभा पटेल ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर भी मामले को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि युवाओं के सपनों की कीमत पर राजनीति की जा रही है। उन्होंने पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों को संरक्षण देने वालों के नाम सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और छात्र संगठन छात्रों की इस लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं, क्योंकि यह केवल एक परीक्षा का नहीं, बल्कि देश के भविष्य और युवाओं के विश्वास का सवाल है।

गुर दीक्षा एवं साधना शिविर संपन्न

भोपाल। सनातन गुरु परंपरा के अनुयायी ,धर्म ध्वजा वाहक,तंत्र व मंत्र के गहन जानकार तथा मंशापूर्ण हनुमान धाम के स्थापक तंत्राचार्य हनुमंत दास महाराज के सानिध्य में भोपाल में एक दिवसीय साधना व गुरु दीक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,राजस्थान व देश के अन्य राज्यों से साधकों ने सहभागिता कर गुरुदेव हनुमंत दास महाराज से तंत्र व साधना हेतु दीक्षा मंत्र प्राप्त किया। महाराज जी ने सभी शिष्यों को सनातन धर्म की परंपरा के अनुपालन,धर्म के मार्ग पर चलते हुए सदैव जनकल्याण करने की प्रेरणा से कार्य करने का संदेश दिया।

भोपाल। राजधानी में विधायक भगवानदास सबनानी बुंदेलखंड विरासत बचाओ मंच कार्यक्रम में बुंदेलखंड केसरी महाराज छत्रसाल की जयंती एवं बुंदेली महोत्सव एवं सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए।

५

खेल मैदान से व्यक्ति त्व निर्माण तक समग्र विकास हमारा लक्ष्यः सारंग

मंत्री सारंग ने किया ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का शुभारंभ

सच प्रतिनिधि.भोपाल

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का शुभारंभ किया। मंत्री सारंग ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल मैदान से व्यक्तित्व निर्माण तक समग्र विकास हमारा लक्ष्य है। इस वर्ष शिविर को पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़ाते हुए समग्र व्यक्तित्व विकास के दृष्टिकोण से नया स्वरूप और नया नाम दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आरोह का अर्थ है निरंतर आगे बढ़ना यानि शिखर की ओर निरंतर प्रगति करना। इसी भावना के साथ यह शिविर युवाओं को खेल कौशल के साथ जीवन कौशल भी सिखाएगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आरोह में खेल प्रशिक्षण के साथ विद्यार्थिंयों के सर्वांगीण विकास केंद्रित गतिविधियां शामिल की गईं हैं। हमारा उद्देश्य एक ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो शारीरिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से जागरूक हो। मंत्री सारंग ने आगे कहा कि शिविर में विभिन्न आयामों में प्रदेश भर में विद्यार्थियों के लिए गतिविधियों आयोजित की जाएंगी। जिससे विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

इस वर्ष आरोह में होने वाली प्रमुख गतिविधियां

इस वर्ष आरोह में खेल गतिविधियां, फिटनेस एवं स्वास्थ्य जागरूकता, व्यक्तित्व एवं नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन गतिविधियां, सामाजिक एवं पारिवारिक जुड़ाव, नशा मुक्ति, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता सहित करियर मार्गदर्शन गतिविधियों को शामिल कर विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मलखंभ और रस्साकस्सी की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में खेल और युवा कल्याण विभाग के अपर सचिव अजय श्रीवास्तव, संचालक अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, विभागीय अधिकारी गण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

नर्सेस दिवस पर लिया मरीजों की सेवा और सुरक्षा का संकल्प

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर राजधानी में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्षय चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में मेडिकल एंड हेल्थ नर्सिंग एसोसिएशन ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर एवं नर्सिंग ऑफिसर को श्रेष्ठ कार्य के लिए सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष धनराज नागर,डॉ.जैन ,डॉ.सपना नोडल अधिकारी, प्रदेश सचिव उत्तरा मालवीय,संभाग सचिव श्रीमती किरण शर्मा द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया । इसी प्रकार हमीदिया अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में डीन डा. कविता एन सिंह डॉ.विजय वर्मा सह. अधीक्षक हमीदिया चिकित्सालय,सह नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती मंजू सिंह, एवं मेट्रन द्वारा सीनियर नर्सिंग ऑफिसर एवं नर्सिंग ऑफिसर को सम्मानित किया गया ।

एम्स में शुरु हुआ नर्सिंग सप्ताह- अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2026 के उपलक्ष्य में एम्स भोपाल में नर्सिंग सप्ताह आयोजित किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य नर्सिंग समुदाय की सेवा भावना, रोगी सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना था।विभिन्न कार्यक्रमों में नर्सिंग विद्यार्थियों, नर्सिंग अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्थानीय प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सिंग समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका, रोगी सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्तापूर्ण उपचार तथा समाज के प्रति उनकी सेवा भावना के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रमों का आयोजन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर के मार्गदर्शन में किया गया।इसी क्रम में एम्स भोपाल की नर्सिंग सर्विसेज द्वारा संस्थान परिसर में एक कैंडल मार्च आयोजित किया गया। यह मार्च नर्सिंग समुदाय की सेवा, समर्पण, साहस और मानवता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से निकाला गया। कार्यक्रम में लगभग 250 नर्सिंग छात्र-छात्राओं, नर्सिंग अधिकारियों, फैकल्टी सदस्यों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सप्ताह के अंतर्गत एम्स भोपाल की नर्सिंग सर्विसेज द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ओबेदुल्लागंज, जिला रायसेन में वृद्धजनों की देखभाल एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय वृद्धजनों के मूल्यांकन एवं देखभाल संबंधी जागरूकता एवं शिक्षण कार्यक्रम था। इसका उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों को वृद्धजनों की देखभाल से जुड़ी आवश्यक जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान करना था, ताकि बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यक्रम में लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. धर्मेंद्र गौर (ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर) एवं श्रीमती सुविधा देवी (प्रोग्राम मैनेजर) उपस्थित रहीं।

एमपी में समान नागरिक संहिता की तैयारी तेज, पहली बैठक दिल्ली में संपन्न

भोपाल। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को धरातल पर उतारने के लिए सरकार ने अपनी प्रशासनिक तैयारियों की रफ्तार बढ़ा दी है। इसी सिलसिले में देश की राजधानी दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन में एक उच्चस्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित इस छह सदस्यीय समिति ने करीब दो घंटे तक विभिन्न कानूनी पहलुओं पर मंथन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्यों में लागू हो चुके यूसीसी के ढांचे को समझना और मध्य प्रदेश की विशिष्ट सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप एक नया मसौदा तैयार करने की रूपरेखा बनाना था। - दिवाली 2026 तक कानून लागू करने का लक्ष्य

राज्य सरकार प्रदेश की जनता को दिवाली 2026 तक समान नागरिक संहिता का उपहार देने की योजना पर काम कर रही है। दिल्ली में हुई इस पहली बैठक के दौरान समिति के सदस्यों को अन्य राज्यों के ड्राफ्ट सौंपे गए हैं ताकि वे उनका गहन अध्ययन कर सकें। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मध्य प्रदेश की सामाजिक संरचना काफी विविधतापूर्ण है, इसलिए यहां के पारंपरिक मूल्यों और स्थानीय मान्यताओं को ध्यान में रखकर ही आगे बढ़ा जाएगा। समिति के सदस्यों ने स्पष्ट किया है कि वे अगले 10 दिनों के भीतर दोबारा बैठक करेंगे, जिसमें विशेष रूप से प्रदेश के आदिवासी समुदायों से जुड़े कानूनों और उनकी अनूठी सामाजिक व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी।

मई के अंत तक जनता से सुझाव लेने की योजना- यूसीसी के निर्माण में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समिति ने जनसुनवाई का मार्ग चुना है। संभावना जताई जा रही है कि 30 मई 2026 से पहले प्रदेश के विभिन्न संभागों और जिला मुख्यालयों में परामर्श बैठकों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इसके माध्यम से समाज के हर वर्ग, धर्म और समुदाय के लोगों से उनके सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। इस पूरी प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए भोपाल के वल्लभ भवन और दिल्ली के मध्य प्रदेश भवन में समर्पित कार्यालय भी स्थापित किए जा रहे हैं, जो ड्राफ्ट तैयार करने के दौरान समन्वय का केंद्र बनेंगे।

रेल महाप्रबंधक ने रानी कमलापति एवं निशातपुरा स्टेशनों का किया निरीक्षण

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह, भोपाल मंडल निरीक्षण दौरे पर रानीकमलापति रेलवे स्टेशन, जोनल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, वंदेभारत कोचिंग डिपो एवं निशातपुरा रेलवे स्टेशन और मण्डल के कन्ट्रोल ऑफिस का गहन निरीक्षण किया। जीएम सिंह द्वारा डीआरएम एवं संबंधित अधिकारी के साथ निरीक्षण के दौरान रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर यात्री विश्रामालय, एस्लेटर, स्टेशन कंट्रोल रूम (सीसीटीवी कक्ष) का निरीक्षण, साथ ही गहनता से प्रजेंटेशन के माध्यम से रानी कमलापति स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। यात्री सुविधाओं में विस्तार एवं स्टेशन पर संरक्षा से सम्बंधित रेलवे नियमों को प्रमुखता से पालन सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निशातपुरा में 24.79 करोड़ की लागत से नवनिर्मित मल्टी डिसेपनरी जोनल रेलवे इंस्टिट्यूट के क्लासरूम, माडल रूम, आडोटोरियम ब्लाक का निरीक्षण कर जायजा किया और यह निर्देश दिए गए कि सभी शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। इस ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में आगामी माह में रेलवे कर्मचारियों जैसे- लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, इंजीनिरिंग, वाणिज्य एवं अन्य विभाग के कर्मचारियों को प्रारंभिक एवं रिफ्रेसर कोर्स का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। निर्माणाधीन कोचिंग डिपो में स्थित वन्दे भारत के एक्सप्रेस के रैक अनुरक्षण को पीपीटी के माध्यम जानकारी ली इस वन्देभारत डिपो को लगभग 114.58 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है जिसके फेज-1 का कार्य सितम्बर 2027 से पूर्व तैयार करने का लक्ष्य है जिसमे वन्दे भारत के लिए इंस्पेक्शन वे लाइन, वर्कशाप शेड, वाशिंग पिट लाइन, ट्रैक लाइन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सिंग्ननिंग एवं ओएचई कार्य शामिल है। इसके अतिरिक्त महाप्रबंधक द्वारा नवनिर्मित निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर यात्री प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय, अधोसरंचनात्मक निर्माण कार्य, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा एवं संरक्षा की गुणवत्ता की जाँच का गहन निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों से निशातपुरा स्टेशन पर गुड्स एवं यात्री लाईनों की विधिवत जानकारी ली। महाप्रबंधक ने नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध कराई गई आधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली। नियंत्रण कार्यालय को नवीनतम तकनीक, उन्नत संचार व्यवस्था, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम, समयपालन, सर्वर रूम, आपदा प्रबंधन कक्ष एवं रियल-टाइम ट्रेन संचालन निगरानी सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

मामला एसडीएम हुजूर का

न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते आर आई और पटवारी

अंसारुल हसन सिद्दीकी भोपाल।
राजधानी में जिस एसडीएम ने हजारों करोड रुपए की शासकीय भूमि अति मण से मुक्त कराकर भूमाफियाओं के दांत खट्टे किए, वही पर एक आर आई और पटवारी न्यायालय के आदेश की अवहेलना करके दबंग अति मण धारी के साथ हैं, इसके कारण एक दलित परिवार गर्मी के तापमान की परवाह किए बगैर भूखा प्यास तहसील कलेक्ट्रेट के चक्क र लगा रहा है मगर उसका कोई सुनने वाला नहीं है। उसकी शारीरिक आर्थिक और मानसिक स्थिति देखकर किसी भी मानवीय इंसान का दिल रो पड़ेगा मगर उसके क्षेत्र के आर आई और पटवारी को इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह मामला है तहसील हुजूर के ग्राम अमोनी का । जहां पर एक दलित परिवार एक दबंग के आतंक से इतने परेशान है कि उनकी पुश्तैनी भूमि पर एक व्यक्ति जो भू माफिया है, खनन माफिया है, हरे वृक्षों की हत्या करता है उसने विगत 10 वर्ष से एक दलित परिवार सीताराम, घोड़े लाल पुत्र गण धन्नालाल की भूमि स्वामी जमीन पर कब्जा कर रखा है। जिसको दलित भाइयों ने तहसीलदार न्यायालय से लेकर सिविल कोर्ट तक लड़ाई लड़ी और मुकदमा जीता। अबू तहसीलदार कोर्ट के न्यायिक आदेश पर 8 फरवरी 2025 को एक न्यायालीन आदेश जारी हुआ था जिसमें आदेश था कि आर आई और पटवारी सीताराम गोरेलाल की जमीन का सीमांकन करके सीमांकन प्रतिवेदन, पंचनामा, फील्ड बुक,और नक्शे की कॉपी 26 फरवरी 2025 से पूर्व न्यायालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। न्यायालय के आदेश के 15 महीने बाद तक न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया गया। उसे आदेश का पालन करने के लिए सीताराम और घूडे लाल हर रोज अमोनी गांव से पैदल आते हैं और वापस चले जाते हैं, तहसीलदार द्वारा उनको आश्वासन मिलता है मगर आर आई और पटवारी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अति मण धारी के पक्ष में खड़े हुए नजर आ रहे हैं। यह मामला जब एसडीएम विनोद सोनकिया के संज्ञान में लाया गया तो उन्होंने कड़ी नाराज की व्यक्त करते हुए कहा है कि वह इस मामले में तहसीलदार से जवाब तलब करेंगे और संबंधित कर्मचारियों को शो कार नोटिस देकर जवाब तलब किया जाएगा और जांच उपरांत लापरवाही सामने आने पर नियम अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी। एसडीएम विनोद सोनकिया ने कहा कि जिन दलित परिवारों का सीमांकन होना है उनका सीमांकन और कब्जा दिलाने के लिए वह तहसीलदार को निर्देश दे रहे हैं।

एफएमपीसीसीआई के स्वर्ण जयंती वर्ष में वार्षिक साधारण सभा व शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

मंत्रियों ने प्रमाण पत्र प्रदान कर अध्यक्ष हिमांशु खरे सहित समस्त कार्यकारिणी को कराया पदभार ग्रहण

सच प्रतिनिधि.भोपाल

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) का स्वर्ण जयंती वर्ष, वार्षिक साधारण सभा एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष तथा कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भोपाल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रह्लाद पटेल ने की। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में चैतन्य कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उद्योग जगत, व्यापारिक संगठनों और विभिन्न औद्योगिक प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी रही। सभा की शुरुआत में दीपक शर्मा ने आगंतुकों का स्वागत किया और वार्षिक साधारण सभा के कोरम की जानकारी दी। इसके बाद एपिक प्रोजेक्ट पर संजीव दुबे द्वारा प्रस्तुति दी गई, जिसमें संगठन की भविष्य की योजनाओं और डिजिटल पहलों पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में उद्योग, उद्यमिता, डिजिटल प्लेटफॉर्म और आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योगों को सशक्त बनाना, नीतिगत सुधारों को बढ़ावा देना तथा श्रमिकों और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष हिमांशु खरे को मंत्रियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर पदभार ग्रहण कराया गया। पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर.एस. गोस्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है और अब उन्हें निर्यात संभावनाओं को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

मार्केटिंग प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है: हिमांशु खरे - नवनिर्वाचित अध्यक्ष हिमांशु खरे ने अपने संबोधन में कहा कि मार्केटिंग प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। प्राथमिक क्षेत्र को उद्योग और व्यापार के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। अनुभवी एवं सेवानिवृत्त व्यक्तियों की भागीदारी से संगठन को लाभ मिलेगा।

उद्योगों में बाधा उत्पन्न करने वाले कई प्रावधानों को समाप्त किया गया:कश्यप - इस मौके पर मंत्री चैतन्य कश्यप ने उद्योगपतियों से उत्पाद गुणवत्ता सुधारने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ईज ऑफ ड्यूईंग बिजनेस को मजबूत करने के लिए लगातार सुधार कर रही है और उद्योगों में बाधा उत्पन्न करने वाले कई प्रावधानों को समाप्त किया गया है। उन्होंने फेडरेशन से सुझाव आमंत्रित करते हुए कहा कि उनके इनपुट नीति निर्माण में सहायक होंगे।

श्रमिक और व्यापारी व्यवस्था के बीच अंतर को कम करने की आवश्यकता दिया बल - वहीं मंत्री प्रह्लाद पटेल ने श्रम, व्यापार और आर्थिक सुधारों पर विचार रखते हुए कहा कि श्रमिक और व्यापारी व्यवस्था के बीच अंतर को कम करने की आवश्यकता है। कानूनों को सरल और समान बनाया जा रहा है। दुकानों के पंजीकरण को सरल और कम लागत वाला बनाने पर विचार चल रहा है। औद्योगिक क्लस्टरों को अपनी आवश्यकताओं की सूची प्रस्तुत करनी चाहिए। फेडरेशन को श्रम विभाग की परामर्श समितियों में शामिल किया जाएगा। सौर ऊर्जा और विकास से जुड़े लक्ष्यों को गति दी जा रही है। कार्यक्रम का समापन प्रवीण आचार्य द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

एफएमपीसीसीआई में मीक ने किया मैनेजिंग कमेटी में पदभार ग्रहण

क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक ने फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) की मैनेजिंग कमेटी में पदभार ग्रहण किया। यह पहली बार है जब क्रेडाई भोपाल को फेडरेशन की मैनेजिंग कमेटी में प्रतिनिधित्व मिला है। पदभार ग्रहण समारोह एफएमपीसीसीआई के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप और श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। एफएमपीसीसीआई की स्थापना वर्ष 1975 में मध्यप्रदेश के व्यापार, उद्योग और वाणिज्य को एक संगठित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह संगठन लंबे समय से प्रदेश के उद्योगों, व्यापारिक संगठनों और उद्यमियों की आवाज को सरकार एवं नीति-निर्माण मंचों तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। नव नियुक्त मैनेजिंग कमेटी सदस्य मनोज मीक ने इस जिम्मेदारी के लिए फेडरेशन के अध्यक्ष हिमांशु खरे सहित सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्रेडाई भोपाल को इस बड़े उद्योग-व्यापार मंच पर प्रतिनिधित्व मिलने से शहरी विकास, रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को व्यापक आर्थिक विमर्श में प्रभावी ढंग से उठाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि वे शहरी विकास, निवेश, एमएसएमई, निर्माण क्षेत्र, रोजगार और नीतिगत सुधारों से जुड़े विषयों को समन्वय के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।